We shall see that it is done in such a way that *the* whole of Delhi is covered. Permits are going to be given on particular routes. The number of permits and the routes are going to be identified. The kind of people and the number of people travelling, all these things are going to be identified.

Facility of Car Telephone in the Country

*45. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether the facility of car tele phone is available in the country;

(b) if so, what are the details in this regard including the number of car trie-phones and expenditure incurred;

(c) whether, the MTNL, Bombay proposes to provide the facility in the city of Bombay; and

(d) if so, what are the details in this regard including import Of machinery, if any?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) Yes Sir, the facility of car telephone is presently available only at Delhi.

(b) Sir, there are at present 177 subscribers connected to the mobile system at Delhi. Initial investment for this system was Rs. 2.18 crores. An additional investment of Rs. 2.41 crores has been made to augment the capacity to give connections *to more* subscribers.

(c) and (d) This proposal is at a preliminary stage of technoeconomic examination.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, श्रीमंतों से, कुछ सुविधायें देने के लिये पर्याप्त धन वसूल कर गरीबों के लिये खर्च करने की किसी भी योजना का मे समर्थन करता हूं । मंत्री जी की नीयत भले कितनी भी ठीक हो, इसकी नीति में हमेशा गड़बड़ होती है ।

श्री एन०के०पी० साल्वे : नजर में फर्क है ।

श्री प्रमोद महाजन : जैसे हमने साधारण और दूर-ध्वनि का मालिक, इसकी चर्चा की । साधारण टेलीफोन वाला एक हजार रुपया देता है .... (व्यवधान)

श्री सभापति : अभी कार पर आ जाओ, कार वाले की बात करो।

श्री प्रमोद महाजन : उसी में कार आती है .... (व्यवधान) उस क्वेश्चन में आपने कार का एलाउ किया। नहीं, मैं केवल उसका उदाहरण दे रहा हूं । दूर-ध्वनि का मालिक आठ हजार रुपया लेता है, एक तो बीस वर्ष लगते हैं और एक को पांच वर्ष लगते हैं । तो अब एक हजार रुपया आपके पास 20 साल रहे और आठ हजार रुपया चार साल रहे तो मतलब एक ही निकलता है ।

श्री सभापति : आप सवाल पूछिये । आप क्या पूछना चाहते हैं ?

श्री प्रमोद महाजन: उसी प्रकार में पूछना चाहूंगा कि यह जो दिल्ली में टेलीफोन कार उपयोग करने वाले 177 उपभोक्ता हैं उसके लिये आपने आरम्भिक निवेश दो करोड़ अठारह लाख रुपया किया है। एक लाख रुपया आप हर एक से लेते हैं । इसका मतलब आपने अभी तक इनसे दो करोड़ रुपया भी वसूल नहीं किया है । एक लाख आप हरेक से लेते हैं, इसका मतलब यह है कि आपने अभी तक दो करोड़ रुपया भी वसूल नहीं किया है। अगर श्रीमन्तों से पैसा लेना है तो मैं यह पूछना चाहूंगा कि क्या कार टेलीफोन का पैसा बढ़ाकर जितनी कीमत इसकी है, उससे 10 प्रतिशत ज्यादा लिया जाएगा ?

मेरे प्रश्न का दूसरा भाग यह है कि इसमें सरकारी टेलीफोन कितने हैं और निजी टेलीफोन कितने हैं? मैं यह भी जानना चाहता

हूं कि यह पहला टेलीफोन किसको दिया गया, वह भाग्यवान कार वाला कौन था ?

श्री एम० के० पी० साल्वे: सभापति महोदय, यह कार में टेलीफोन लगा रहा है या टेली-फोन में कार लग रही है ?

श्री बापू कालदाते : एक लाख रुपए में कार नहीं आती, आज उसकी कीमत भी बढ़ गई है ।

श्री एम०के०पी० साल्वे : हम जैसे लोग तो एक लाख रुपए की कार भी नहीं खरीद सकते हैं ।

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री राजेश पायलट) : सभापति महोदय, आनरेबल मेंबर ने कहा है कि इनसे इतनी रिकवरी नहीं हो पाई है । महोदय, मैंने पहले कहा है कि इस टेलीफोन के लिए एक लाख रुपए तो हम डिपाजिट लेते हैं, चार हजार रुपए महीने का रेंट है और एक हजार रुपए रजिस्ट्रेशन के हैं और एक हजार रुपए टेलीफोन इंस्टाल करने के समय लिए जाते हैं । अगर इन सबका हिसाब लगाया जाए तो पैसे तो वसूल ही गए होंगे क्योंकि 1988 में यह स्कीम चालू की गई थी लेकिन मुझे महसूस हुआ है कि यह स्कीम ज्यादा सक्सेसफुल नहीं हो रही है और इसके बारे में लोगों ने शिका-यतें भी की हैं । मेरा ख्याल है कि बहुत से लोगों को इसकी जरूरत होगी और बहुत से लोग इसे लेना भी चाहते हैं । इस के लिए हम अब एक नयी स्कीम सोच रहे हैं । जैसे बंबई में हमने कहा है कि कोई भी भाई या बहन जो हमें फारेन एक्सचेंज में पैसा देगा, हम उन्हें यह टेलीफोन देने की कोशिश करेंगे क्योंकि इसके सभी कंपोनेंट्स बाहर से आएंगे । लेकिन जैसा मैंने कहा कि इसमें सरकार की नीति और नीयत दोनों एक हैं, और किसी सरकार की जिम्मेदारी मैं नहीं ले सकता हूं । हमारी नीति और नीयत यह है कि जो अफोर्ड कर सकता है उससे पैसा लेकर जो अफोर्ड नहीं कर सकता है, उसकी हम मदद करें । इसलिए हम फारेन एक्सचेंज लेकर स्लम्स में टेलीफोन दे रहे हैं

श्री सभापति : इनका प्रश्न यह था कि कितने टेलीफोन प्राइवेट हैं और कितने सरकारी हैं और पहला टेलीफोन किसको दिया गया ? बाकी तो प्रिफेस था, उसमें ही गड़बड़ हो जाती है ।

श्री राजेश पायलट : मुझे यह तो पता नहीं कि पहला टेलीफोन किसको मिला लेकिन मेरा ख्याल है कि मंत्री को ही मिला होगा । खैर मैं पता करके बता दूंगा ।

श्री सभापति : दूसरा पोर्शन यह था कि कितने सरकारी हैं और कितने गैर सरकारी हैं ?

श्री राजेश पायलट : यह खबर मेरे पास नहीं है । मैं पता करके बताऊंगा ।

श्री प्रमोद महाजन : सभापति महोदय महानगर टेलीफोन निगम दिल्ली और मुंबई के लिए एक ही है । पहले दिल्ली में कार टेलीफोन शुरू हुआ, मुंबई में अब शुरू होगा । दिल्ली में जिनको मिला उन्होंने रुपयों में पैसा दिया, अब मुंबई में जो मांग रहे हैं आप उनसे विदेशी मुद्रा चाहते हैं । तो मैं यह प्रश्न पूछना चाहूंगा कि अब दिल्ली हो या मुंबई किसी के लिए भी अगर कार टेलीफोन मांगा जाए तो उनसे विदेशी मुद्रा ही मांगी जाएगी ? मेरे प्रश्न का दूसरा हिस्सा यह है कि विदेशी मुद्रा तो केवल निर्यातक ही दे सकते हैं लेकिन अगर कोई व्यक्ति निर्यातक न हो और उसे कार टेलीफोन की जरूरत हो तो क्या वह हवाला रैकेट से आपको विदेशी मुद्रा लाकर देगा ? क्या आपकी इस नीति से हवाला रैकेट को बढ़ावा नहीं मिलेगा ?

श्री राजेश पायलट : मैंने बताया कि यही फर्क आता है नीति और नीयत में । हमारी नीति और नीयत यह है कि हम इसमें फारेन एक्सचेंज लाना चाहते हैं क्योंकि जितने कंपोनेंट्स लगेंगे वे विदेशी मुद्रा से ही खरीदे जाएंगे ।

श्री प्रमोद महाजन : जिसके पास विदेशी मुद्रा नहीं होगी वह कहां से लाएगा ?

श्री राजेश पायलट : जिसको जरूरत गी हो वह इंतजाम करेगा ।

श्री प्रमोद महाजन : आप उसको इंत-करना सिखाना चाहते हैं ?

श्री राजेश पायलट : यह हमारी ड्यूटी होगी । हम पता करेंगे कि उसने कहां से लाकर दिया है । जो हवाला रैकेट से लाकर देगा, अगर उसमें प्रमोद महाजन जी का हाथ होगा तो हम उनसे पूछेंगे कि यह पैसा कहां से आया ?

SHRI KAMAL MORARKA: Sir, the Minister is saying that he will get it "from the honourable Members . . .*(Interruptions).* . .It is highly objectionable .. .*(Interruptions).* ..

SHRI N. K. P. SALVE: He is not saying that there is immunity against any inquiry. The man who brings it will have to explain his source. ..*(Interruptions)* ...

SHRI YASHWANT SINHA: Not for telephone... *(Interruptions)* .,.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, इसमें मुझे लगता है कि इन्होंने मेरा नाम लेकर सदन में इस प्रकार का वाक्य कहा और मैं यह मान रहा हूं कि यह मजाक में कह रहे हैं अन्यथा इट इज हाइली आब्जेक्शनेबल । प्रमोद महाजन का नाम हवाला रैकेट में नहीं होगा . . . (व्यवधान)

SHRI KAMAL MORARKA: Sir, it is highly objectionable... *(Interruptions}...*

SHRI PRAMOD MAHAJAN: It is in very bad taste.,. *(Interruptions)...*

SHRI KAMAL MORARKA: Yes, it is in very bad tastd... .*(Interruptpns)...*

श्री प्रमोद महाजन : यह तो आरोप है . . . . (व्यवधान)

SHRI RAJESH PILOT: Sir, I can reply to Mr. Mahajan myself.. .*(Interruptions)* ...

सभापति जी, मैंने यह बिल्कुल मजाक में कहा, उसी लाइट सेंस में कहा जिसमें प्रमोद महाजन जी ने भी कहा और इतना तो ऐलाउड भी है । मैंने मजाक में कहा है जब तक कि मेरे भाई मोरारका इसको सीरियसली न लें । . . . (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over. Now, Papers to be laid on the Table.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

IRS officer settling albroad

42. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of IFS officers have been settlings abroad either- after resigning from the service following a stint of posting' in a foreign country or following retirement from the service after attaining superan nuation;

(b) if so, the number of such IFS officers so settled during the last three years;

(c) whether it is a fact that the concerned IFS officers had been utilising their foreign postings to prepetuate their personal interests at the expense of the Government; and

(d) if so, what steps Government have taken or propose to take to prevent such, misuse of the opportunities of foreign postings by the IFS officers?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAV. SINH SO-LANKI): (a) No, Sir, according- to available records, the vast majority of